कक्षा में कहानी सुनाने की गतिविधियाँ

नबनिता देशमुख

कहानी सुनाने पर चल रहा शोध[i] उन विद्यार्थियों के साक्षरता कौशल में उल्लेखनीय सुधार पर प्रकाश डालता है जो नियमित रूप से कहानियाँ सुनते हैं। एक लेख[ii] बताता है कि जिन बच्चों को छोटी उम्र में कहानी सुनने के मौक़े मिलते हैं, उनमें कल्पनाशीलता, समानुभूति, सहनशीलता और पूर्वानुमान लगाने जैसी महत्त्वपूर्ण क्षमताएँ विकसित होती हैं जो उन्हें आत्मविश्वास के साथ जीवन जीने में मदद करती हैं।

> जो कहानियाँ इशारों, आवाज़ के उतार-चढ़ाव, ठहरावों, चेहरे के भावों और सामग्री का उचित उपयोग करते हुए सुनाई जाती हैं, वे शिक्षण का प्रभावशाली साधन बन जाती हैं। फिर शिक्षक उनका उपयोग उन विद्यार्थियों के साथ आत्मविश्वासपूर्वक कर सकते हैं जो एक नई भाषा सीखने में संघर्ष कर रहे होते हैं। कहानियाँ सबसे प्रभावी तब होती हैं जब उनका चयन विद्यार्थियों की उम्र, रुचियों, समझ के स्तर और पृष्ठभूमि के अनुसार किया जाता है।

दुर्भाग्य से, भारत भर में कई कक्षाओं में, शिक्षक मुख्य रूप से नैतिक मूल्य प्रदान करने या व्याकरण सम्बन्धी अवधारणाएँ समझाने के लिए कहानियाँ सुनाते हैं। कहानी सुनाना सार्थक बनाने के लिए, शिक्षकों को जुनून के साथ और श्रोताओं के आनन्द के लिए कहानियाँ सुनानी चाहिए। शिक्षा या सीखने की ख़ातिर कहानियों का विच्छेदन, विश्लेषण, व्याख्या और भावानुवाद/ टीका बाद के चरण में होना चाहिए। कक्षाओं में कहानियों का उपयोग अनेक कारणों से किया जा सकता है जिनमें साक्षरता कौशल विकसित करने से लेकर अधिक मानवीय व्यक्ति बनना तक शामिल है।

यह लेख इस बात पर केन्द्रित है कि कथाकारिता किस प्रकार छोटे शिक्षार्थियों में सुनने, बोलने, पढ़ने और लिखने (LSRW) सम्बन्धी कौशलों के साथ-साथ उनकी कहानी समझने, उसका अनुक्रमण करने, पूर्वानुमान लगाने, दोबारा सुनाने और उसे लिखने की क्षमता में सुधार और वृद्धि कर सकती है। रचनात्मक गतिविधियों की एक सूची नीचे दी गई है जो कक्षा में की जा सकती हैं।

मौखिक कौशल

किसी भाषा को धाराप्रवाह बोलने से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास पैदा होता है और यह आत्मविश्वास व्याख्यान सुनने और शिक्षक द्वारा कही गई बातों को यांत्रिक रूप से दोहराने से नहीं, बल्कि कथाकारिता जैसी आनन्ददायक गतिविधियों में भाग लेने से प्राप्त होता है।

गतिविधि : स्टोरी बैग

उद्देश्य : कहानियाँ बनाने में बच्चों की मदद करना, जिससे उनकी कल्पनाशीलता और बोलने के कौशल में सुधार हो।

सामग्री : एक बैग जिसमें छोटी वस्तुएँ, जैसे इरेज़र, पेंसिल, पेन, शार्पनर, सिक्के, टॉफ़ी *आदि हों।*

प्रक्रिया :

- एक कहानी सुनाएँ और बच्चों को समझाएँ कि प्रत्येक कहानी की एक शुरुआत, एक मध्य और एक अन्त होता है।
- आगे की पंक्ति के छह विद्यार्थियों को अपनी आँखें बन्द करने और बैग से कोई एक वस्तु निकालने के लिए कहें।
- आप स्वयं बैग से कोई वस्तु चुनें।
- आपके द्वारा चुनी गई वस्तु पर एक कहानी शुरू करें और बच्चों को कहानी में अपनी वस्तुएँ शामिल करते हुए कहानी आगे बढ़ाने दें।

परिणाम : विद्यार्थी वास्तविक वस्तुओं का इस्तेमाल करते हुए, यानी रोज़मर्रा की ज़िन्दगी की सामग्री और वस्तुओं का शिक्षण सहायक सामग्री के रूप में उपयोग करते हुए, एक कहानी बुनना सीखेंगे।

दोबारा सुनाने का कौशल

कहानी दोबारा सुनाना कहानी के बारे में समझ विकसित करने के लिए एक महत्त्वपूर्ण क्षमता होती है जो कहानियाँ अपने शब्दों में सुनाने में बच्चों की मदद करती है। इससे घटनाओं को क्रम से जमाने के कौशल के साथ-साथ उनके सुनने और बोलने के कौशलों में भी सुधार होता है।

गतिविधि : बॉल घुमाना

उद्देश्य : कहानी दोबारा सुनाने में बच्चों की मदद करना

सामग्री : एक गेंद

प्रक्रिया :

- कक्षा को एक कहानी सुनाएँ।
- एक गेंद लें और इसे विद्यार्थियों की ओर उछालें। जिस विद्यार्थी को यह मिल जाए वह कहानी को शुरू से दोबारा सुनाना शुरू करे। कहानी की पहली लाइन सुनाने के बाद, विद्यार्थी को गेंद दूसरे सहपाठी को देनी होगी, सहपाठी कहानी की अगली लाइन जोड़ेगा।
- गेंद इसी तरह आगे बढ़ती जाएगी। और प्रत्येक विद्यार्थी, जो इसे पकड़ता है, वह कहानी समाप्त होने तक कहानी की अगली लाइन जोड़ता जाएगा।
- समझ की जाँच के लिए अनुवर्ती (फॉलो-अप) अभ्यास के रूप में कहानी सुनाते समय जानबूझकर ग़लतियाँ करें और विद्यार्थियों द्वारा आपकी ग़लती सुधारे जाने की प्रतीक्षा करें।

परिणाम : विद्यार्थी किसी कहानी पर ध्यान देना, समझना और उत्साहपूर्वक दोबारा सुनाना सीखेंगे।

सुनने का कौशल

किसी भाषा को सीखने के लिए अच्छी तरह सुनने का कौशल महत्त्वपूर्ण होता है, लेकिन सुनने का मतलब केवल शब्दों की ध्वनि सुनना नहीं है बल्कि जो सुना गया है उसका प्रसंस्करण (processing) करना भी है। कहानियाँ सुनकर बच्चे समृद्ध शब्दावली, जटिल व्याकरणिक संरचनाएँ और स्पष्ट उच्चारण ग्रहण करते हैं और शिक्षक के मार्गदर्शन और सहायता से उनके पढ़ने और लिखने के कौशलों में अपने आप सुधार होता है।

गतिविधि : संगीतमय कहानी

उद्देश्य : श्रव्य (ऑडियो) संसाधनों का उपयोग करते हुए विद्यार्थियों के सुनने के कौशल में सुधार करना

सामग्री : संगीत वाद्ययंत्र या विभिन्न ध्वनियों की रिकॉर्डिंग; मोबाइल फ़ोन और स्पीकर

प्रक्रिया **:**

- ऐसी कहानी चुनें जिसमें कई ध्वनि प्रभाव हों, जैसे पक्षियों का चहचहाना, ढोल की थाप, हवा के झोंके की सरसराहट, झरनों का कल-कल करना आदि।
- कक्षा में कहानी सुनाएँ।
- उन बिन्दुओं पर रुककर कहानी दोबारा सुनाएँ जहाँ कोई आवाज़ आती हो, जैसे पक्षियों की आवाज़। स्पीकर के माध्यम से पक्षियों के चहचहाने की आवाज़ की रिकॉर्डिंग चलाएँ।
- विद्यार्थियों को उनकी उम्र और स्तर के आधार पर ध्वनि सुनकर अँग्रेज़ी में शब्द ज़ोर-से बोलना होगा, जैसे 'चीप-चीप', 'ट्वीट-ट्वीट' या 'ट्विटर'।
- कहानी तब तक दोबारा सुनाना जारी रखें जब तक कहानी से 'ध्वनि-शब्दों' की सूची समाप्त न हो जाए।
- अनुवर्ती अभ्यास के रूप में, विद्यार्थियों को अपने द्वारा सीखे गए कुछ 'ध्वनि शब्दों' का उपयोग करते हुए वाक्य ज़ोर-से बोलना होंगे या लिखना होंगे।

परिणाम : संगीत वाद्ययंत्रों और रिकॉर्डिंग के उपयोग से विद्यार्थियों की शब्दावली और समझ में सुधार होगा।

अनुक्रमण यानी क्रम से जमाने का कौशल

अनुक्रमण से बच्चों को वह समझने में मदद मिलती है जो वे पढ़ते या सुनते हैं। इससे उन्हें कहानी के घटकों को पहचानने और फिर उसे क्रमबद्ध तरीक़े से दोबारा सुनाने में भी मदद मिलती है। अनुक्रमण कौशल समझ सम्बन्धी महत्त्वपूर्ण रणनीतियाँ होती हैं, विशेषकर विवरणात्मक विषयों के लिए।

गतिविधि : रीडिंग कोन

उद्देश्य : पढ़ने और अनुक्रमण सम्बन्धी कौशल विकसित करना

सामग्री : कहानी का पन्ना, पेंसिल, नोटबुक

प्रक्रिया :

- किसी पत्रिका या समाचार पत्र से बच्चों की कहानी वाला पन्ना चुनें।
- पन्ने को एक कोन में रोल करें और अन्दर देखने के लिए सिरे पर एक छोटा-सा छेद रखें।

***चित्र-1** : रीडिंग कोन।*

- विद्यार्थियों को छेद के माध्यम से झाँकने और कोन के अन्दरूनी पन्ने पर छपे शब्द या वाक्यांश पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।
- पेपर कोन खोलें। कहानी का मध्य भाग पढ़ें और विद्यार्थियों से कहानी की शुरुआत या अन्त सुनाने या लिखने के लिए कहें।
- अनुवर्ती अभ्यास के रूप में, विद्यार्थियों को कहानी से पात्र, वस्तुएँ या क्रियाएँ बताने, लिखने या चित्रित करने के लिए कहें।

परिणाम : विद्यार्थियों में क्रमानुसार कहानी सुनाने और लिखने की प्रेरणा बढ़ेगी।

वाक्य बुनाई

सही और स्पष्ट रूप से लिखने की क्षमता किसी भी चुनौतीपूर्ण लेखन कार्य को एक सन्तोषप्रद अनुभव में बदल सकती है। वाक्य-निर्माण कौशल का विकास अत्यन्त महत्त्वपूर्ण होता है, विशेषकर प्राथमिक कक्षा के विद्यार्थियों के लिए।

गतिविधि : दो हिस्सों का खेल

उद्देश्य : विद्यार्थियों को वाक्यों की शुरुआत और अन्त को जल्दी से जोड़ने में मदद करना

सामग्री : काग़ज़ की पट्टियाँ जिन पर आंशिक वाक्य लिखे हों

प्रक्रिया :

- विद्यार्थियों को पहले सुनाई गई किसी कहानी के अधूरे/आधे वाक्यों वाली काग़ज़ की पट्टियाँ वितरित करें।
- विद्यार्थियों को एक-दूसरे के सामने दो लाइनों में खड़ा करें। पहली लाइन के विद्यार्थियों के पास वाक्यों के शुरुआत की पट्टियाँ होंगी और दूसरी लाइन के विद्यार्थियों पास वाक्यों के अन्त की पट्टियाँ।
- आपके 'गो' शब्द बोलने पर, दोनों लाइनों के विद्यार्थी अपने सम्बन्धित साथियों को खोजने के लिए दौड़ेंगे और अपने वाक्यों को पूरी कक्षा के सामने ज़ोर-से पढ़ेंगे।
- कहानी या किसी पैराग्राफ़ को दोबारा बनाने के लिए इस तरह सभी वाक्य-जोड़ों की पट्टियाँ देकर विद्यार्थियों को क्रमबद्ध खड़े रहने के लिए प्रोत्साहित करें।

परिणाम : विद्यार्थी खेल के माध्यम से पढ़ने, समझने और वाक्यों के हिस्सों को क्रम से जमाने के लिए प्रेरित होंगे।

प्रश्न पूछने के कौशल

प्रश्न पूछना एक महत्त्वपूर्ण कौशल है जिससे तर्क और विचार शक्ति विकसित होती है। प्रश्न पूछना सीखने से, एक विद्यार्थी की जानकारी और ज्ञान इकट्ठा करने की क्षमता में सुधार होता है, साथ ही उसके मौखिक कौशल में भी सुधार होता है।

गतिविधि : पाँच प्रश्न

उद्देश्य : विद्यार्थियों में प्रश्न पूछने के कौशल विकसित करना

सामग्री : कुछ नहीं

प्रक्रिया :

- कक्षा में एक कहानी सुनाएँ और एक विद्यार्थी (विद्यार्थी-1) से कहानी में से किसी वस्तु या व्यक्ति के बारे में सोचने के लिए कहें।
- अन्य विद्यार्थियों में से प्रत्येक विद्यार्थी को सही उत्तर पाने के लिए प्रयास करने और अनुमान लगाने के लिए विद्यार्थी-1 से पाँच प्रश्न पूछने होंगे। सही उत्तर पाने के लिए वस्तु की भौतिक विशेषताओं (आकार, साइज़, रंग) या व्यक्ति (उम्र, तौर-तरीक़े, पहनावे) के बारे में प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

परिणाम : विद्यार्थी कहानी बेहतर ढंग से समझेंगे और प्रश्न पूछना सीखेंगे।

पूर्वानुमान कौशल

पूर्वानुमान बच्चों को प्रश्न पूछने और आलोचनात्मक ढंग से सोचने के लिए प्रोत्साहित करता है। इससे इस बात में भी मदद मिलती है कि वे जो कहानी सुनते या पढ़ते हैं उस पर अधिक ध्यान देते हुए उसे बेहतर ढंग से समझ सकें और उसका अनुक्रमण कर सकें।

गतिविधि : तुड़ी-मुड़ी स्टोरी बॉल

उद्देश्य : विद्यार्थियों के सुनने, पढ़ने और लिखने के कौशल में सुधार करना

सामग्री : पुरानी पत्रिकाओं और समाचार पत्रों के कहानी के पन्ने

प्रक्रिया :

- बच्चों की किसी पुरानी पत्रिका या अख़बार से कहानी का एक पन्ना काट लें।
- पन्ने को तोड़-मोड़कर एक गेंद बना लें।
- किसी विद्यार्थी को अपने पास बुलाएँ और उसे 'स्टोरी बॉल' पर दिखाई दे रहे कुछ शब्द ज़ोर-से पढ़ने के लिए कहें और उसे तथा अन्य को अनुमान लगाने के लिए कहें कि कहानी किस बारे में हो सकती है।
- तुड़े-मुड़े पन्ने को खोलें और विद्यार्थी को कहानी का कुछ भाग पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें और अन्य विद्यार्थियों को कहानी के अन्त की कल्पना कर उसे ज़ोर-से बोलने दें या लिखने दें।

परिणाम : विद्यार्थियों के पढ़ने के कौशल में सुधार होगा और वे किसी कहानी का पूर्वानुमान लगाना और समझना सीखेंगे।

***चित्र-2** : तुड़ी-मुड़ी कहानी गेंद।*

व्याकरण सम्बन्धी योग्यता

व्याकरण में शब्द-भेद (पार्ट्स ऑफ़ स्पीच) को 'वाक्यों का मूलभूत अंग' माना जाता है। अँग्रेज़ी में व्याकरणिक रूप से सही वाक्य लिखने के लिए, बच्चों को इनमें से कम-से-कम कुछ का ज्ञान होना चाहिए।

गतिविधि : स्टोरी लिफ़ाफ़ा

उद्देश्य : विद्यार्थियों को शब्द-भेद सही ढंग से पहचानने और उनका उपयोग करने में मदद करना

सामग्री : काग़ज़ की पर्चियाँ जिन पर किसी कहानी के शब्द लिखे हों, लिफ़ाफ़े

प्रक्रिया :

- कक्षा को एक कहानी सुनाएँ और उसके छपे हुए प्रारूप की फ़ोटोकॉपी बनाएँ।
- छपी हुई कहानी से संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण और क्रियाविशेषण काटकर अलग-अलग लिफ़ाफ़ों में रखें।
- विद्यार्थियों को समूहों में विभाजित करें और प्रत्येक समूह को वाक्य बनाने के लिए लिफ़ाफ़ों का एक सेट दें।
- जो समूह सबसे अधिक संख्या में सही वाक्य बनाता है उसे कक्षा में उन्हें ज़ोर-से पढ़ने का मौक़ा मिलता है।
- समझ का आकलन करने के लिए अनुवर्ती अभ्यास के रूप में, विद्यार्थियों से कहानी के कुछ शब्दों या वाक्यांशों की नक़ल करने के लिए कहें और दूसरों को सही उत्तर देने दें।

परिणाम : विद्यार्थी कहानी सुनकर और समूह खेल खेलकर व्याकरण का सही उपयोग करना सीखेंगे।

कुछ प्रतिफल

बच्चों में साक्षरता और अन्य क्षमताएँ विकसित करने के लिए इस लेख में वर्णित गतिविधियाँ अरुणाचल प्रदेश, असम, नागालैंड और ओडिशा के स्कूलों में आज़माई गई हैं। कुछ स्कूलों में विद्यार्थियों के उत्साह और कक्षा में उनके प्रदर्शन में सुधार हुआ है, साथ ही स्वयं या अपने शिक्षकों की मदद से कहानियाँ समझने, सुनाने, दोबारा सुनाने, पढ़ने और लिखने की उनकी क्षमता में भी सुधार हुआ है।

कहानी से जुड़ी इन गतिविधियों में मौजूद मज़े के तत्व ने छोटे बच्चों को बेहतर और तेज़ी से सीखने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने शिक्षकों को कक्षा में कहानियों का रचनात्मक उपयोग करने के लिए भी प्रेरित किया है। ऐसा करने से शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों को लाभ हुआ है। यह एक दिलचस्प गतिविधि के रूप में उभरी है जो भाषा की कक्षाओं को और अधिक मनोरंजक और शिक्षाप्रद बना सकती है।

Endnotes

i The role of storytelling on language learning: A literature review. Semantic Scholar. https://www.semanticscholar.org/paper/The-role-of-storytelling-on-language-learning%3A-A-Lucarevschi/6afa2c67e6b53337ff4b833d975b6939ec3650e6

ii Why is storytelling important to children? BBC Teach. https://www.bbc.co.uk/teach/teach/why-is-storytelling-important-to-children/zvqcnrd

नबनिता देशमुख एक शिक्षिका, शिक्षक-शिक्षिका हैं और बच्चों के लिए कहानियाँ और कविताएँ लिखती हैं। वे पूर्वोत्तर भारत के स्कूलों और समुदायों के साथ शिक्षा के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर काम करती हैं। पढ़ना, चित्रकारी, हस्तकला और खेल उनके शौक़ हैं। उनसे deshmukh.nitu@gmail.com पर सम्पर्क किया जा सकता है।

अनुवाद : सुबोध जोशी **पुनरीक्षण :** अतुल वाधवानी **कॉपी एडिटर :** अनुज उपाध्याय